



समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 3 अंक: 218 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) गुरुवार 22 मई 2025

<http://samajjagran.in>

पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपये

दिल्ली-एनसीआर में आंधी और बारिश के साथ गिरे ओले, मोहमंद डैम: पाकिस्तान में उस जगह क्यों पैसा हवा की स्पीड 80 किलोमीटर प्रतिघंटा! मेट्रो रोकी गई झोंक रहा चीन, जहां भारत ने रोका हुआ है पानी?

नई दिल्ली: दिल्ली-एनसीआर में बुधवार शाम मौसम ने तेजी से करवट ली. कई इलाकों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई. पालम में हवाएं 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं, जो झोंका में 72 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई. मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए शाम 7:30 से 9:30 बजे तक रेड अलर्ट जारी किया है. इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज आंधी चलने की संभावना है. नोएडा और गाजियाबाद में भी काफी तेज हवाएं चल रही हैं. एनआई ने सेक्टर 10 के विजुअल्स दिखाए जहां लोग धूल के गुबार से बचते नजर आए. बीच-बीच में बिजली की गड़गड़ाहट और छिटपुट बारिश हो रही है.



मौसम में अचानक हुए बदलाव की वजह हरियाणा के पास बने चक्रवाती परिसंचरण को माना जा रहा है, जो

दिल्ली-एनसीआर में बुधवार शाम अचानक तेज आंधी के साथ बारिश आई. मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी कर रात 7.30 से 9.30 बजे के बीच लोगों से सतर्क रहने को कहा है.

पंजाब से बांग्लादेश तक फैले ट्रफ में स्थित है. अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी मिल रही है.

समाज जागरण
भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच चीन ने खैबर पख्तूनख्वा में मोहमंद डैम प्रोजेक्ट की रफ्तार तेज की है. यह वही इलाका है जहां भारत सिंधु जल संधि के तहत पानी रोकने का संकेत दे चुका है. यह डैम सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं रणनीति का बड़ा हिस्सा है. आइए इस खबर में जानते हैं आखिर चीन इसमें इतना पैसा क्यों झोंक रहा है.



खबर इन सवालों के जवाब खोजने की कोशिश करती है.

क्या है मोहमंद डैम?
मोहमंद डैम पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में स्वात नदी पर बन रहा है. यह इलाका अफगान सीमा से भी जुड़ा है और रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील है. इस डैम की ऊंचाई 213 मीटर होगी और यह हर साल करीब 2862 गीगावाट घंटे बिजली पैदा करेगा. साथ ही यह 16737 एकड़ जमीन की सिंचाई करेगा और पेशावर को रोजाना 300 मिलियन गैलन पीने का पानी भी देगा.

चीन क्यों कर रहा है निवेश?
चीन का पाकिस्तान में डैम पर पैसा लगाना केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक भी है. पाकिस्तान चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का अहम हिस्सा है. चीन-पाक आर्थिक गलियारा के तहत कई बड़े प्रोजेक्ट पहले ही शुरू हो चुके हैं. मोहमंद डैम उसी योजना का विस्तार है. इसके अलावा चीन भारत के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करना चाहता है. पाकिस्तान के जरिए चीन को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच मिलती है. साथ ही यह इलाका भारत की सीमा के बेहद पास है जो चीन की रणनीति को और मजबूत बनाता है.

डैम का निर्माण 2019 में शुरू हुआ था और 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है. चीनी कंपनी इसमें बड़ी भूमिका निभा रही है. हाल ही में CCTV (चीनी सरकारी टीवी) ने बताया कि अब इस पर कंफ्रटी भराई का काम शुरू हो गया है. यह पाकिस्तान के लिए एक प्लैगशिप प्रोजेक्ट माना जा रहा है.

भारत ने क्यों रोका सिंधु का पानी?
22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले

इसी बीच चीन ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में मोहमंद डैम के निर्माण कार्य की रफ्तार बढ़ा दी है. यह वही इलाका है जहां की स्वात नदी भारत से निकलती है और पाकिस्तान में जाकर सिंधु से मिलती है. भारत के नीति बदलाव के बाद चीन का इस क्षेत्र में निवेश बढ़ाना कई सवाल खड़े करता है. क्या यह महज एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है या इसके पीछे कोई बड़ी रणनीति है? यह

सेंसेक्स में 700 अंकों की उछाल।

घरेलू बाजारों में मंगलवार को मजबूती के साथ शुरूआत हुई, कमजोर वैश्विक संकेतों और भारी विदेशी संस्थागत बिकवाली के बावजूद बेंचमार्क सूचकांकों में उछाल आया। बीएसई सेसेक्स सुबह 10:18



बजे 687.83 अंकों की उछाल के साथ 81,874.27 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 50 214.15 अंकों की बढ़त के साथ 24,898.05 पर पहुंच गया। यह उछाल व्यापक आधार पर था, जिसमें पिछले सत्र में तेज गिरावट के बाद सभी प्रमुख सूचकांक ऊपर कारोबार कर रहे थे। यह आश्चर्यजनक उछाल बढ़ती अस्थिरता और वैश्विक जोखिम को लेकर चिंताओं के बीच आया है, जिसमें हाल ही में यूएस क्रेडिट रेटिंग में गिरावट और यूएस और जापान दोनों में बॉन्ड यील्ड में उछाल शामिल है। फिर भी, घरेलू निवेशक शोर को नजर अंदाज करते दिख रहे हैं, विश्लेषकों ने तेजी के प्रमुख कारणों के रूप में मूल्य शिकार और विपरीत दावों में वृद्धि की ओर इशारा किया है। प्रोप्रिसेवि शेयरों के निदेशक आदित्य गगन ने कहा, "हाल ही में बाजार में आए सुधार, खास तौर पर मिड- और स्मॉलकैप में, ने सूचकांक को महत्वपूर्ण ट्रेडलाइन समर्थन स्तर पर पहुंचा दिया है।"

अब ईरान ने भी पाक को दुल्हाय, स्मगलिंग-घुसपैठ से परेशान, किया बॉर्डर सील करने का ऐलान

ईरान ने पाकिस्तान सीमा को सील करने का फैसला लिया है ताकि सुरक्षा मजबूत हो और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगे. यह कदम आतंकवाद, तस्करी और अवैध प्रवास को रोकने के लिए है.

हाइलाइट्स
ईरान ने पाकिस्तान सीमा को सील करने का फैसला किया.
सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने और तस्करी रोकने का उद्देश्य.
सीमा पर अतिरिक्त सुरक्षा बल और उन्नत निगरानी उपकरण तैनात होंगे.



तेहरान. ईरान ने पाकिस्तान के साथ लगने वाली अपनी सीमा को पूरी तरह सील करने का बड़ा फैसला लिया है. ईरानी मीडिया के मुताबिक इस कदम का उद्देश्य सीमा पर सुरक्षा को मजबूत करना और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना है. ईरान का कहना है कि इस पहल से ईंधन तस्करी, अवैध आवाजाही और नशीले पदार्थों की तस्करी जैसी समस्याओं पर असरदार तरीके से कंट्रोल लगाया जाएगा. यह फैसला इलाके में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चुनौतियों के बीच लिया गया है.

संगठनों, विशेष रूप से जैश अल-अदल जैसे सुन्नी चरमपंथी समूहों के खिलाफ कार्रवाई की है. इन संगठनों पर सीमा पार से हमलों का आरोप लगाया रहा है. ईरानी सरकार का कहना है कि सीमा सील करने से ऐसी गतिविधियों को रोकने में मदद मिलेगी. साथ ही यह कदम अवैध ईंधन तस्करी को भी रोकेंगा, जो ईरान की इकोनॉमी के लिए नुकसानदायक है. पाकिस्तान के साथ ईरान के संबंधों पर इस फैसले का असर अभी साफ नहीं है. विशेष रूप से 2024 में ईरान के मिसाइल हमलों के बाद से दोनों देशों के बीच हाल के समय में तनाव देखा गया है. हालांकि, दोनों पक्षों ने आतंकवाद और सीमा सुरक्षा पर सहयोग की बात भी की है. एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह कदम क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सकारात्मक हो सकता है, बशर्ते दोनों देश सहयोग बनाए रखें. ईरान का यह फैसला न केवल सुरक्षा, बल्कि आर्थिक और सामाजिक स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

'मैं भी पीड़ित हूँ': उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आधिकारिक प्रोटोकॉल के पालन के लिए सीजेआई भूषण गर्वई के आह्वान को दोहराया

नई दिल्ली: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रोटोकॉल पर भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण गर्वई द्वारा की गई हालिया टिप्पणियों को दोहराया है, जिसमें कहा गया है कि प्रोटोकॉल का पालन "मौलिक" है और सभी संस्थानों में इसका सम्मान किया जाना चाहिए।

हाल के घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए, धनखड़ ने कहा, "देश के मुख्य न्यायाधीश और प्रोटोकॉल को बहुत ऊंचा स्थान दिया जाता है। जब उन्होंने यह संकेत दिया, तो यह व्यक्तिगत नहीं था, यह उनके पद के लिए था, और मुझे यकीन है कि इसे सभी लोग ध्यान में रखेंगे।"



भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण गर्वई ने रविवार को मुंबई के दादर में महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के दौरान मूल टिप्पणी की।



CJI गर्वई ने कहा, "जब किसी राज्य के मुख्य न्यायाधीश पहली बार आते हैं, तो CP और DG उनसे मिलने आते हैं। लेकिन जब उन्हें बताया गया कि मैं मुंबई आया हूँ, तो वे मुझे मिलने नहीं आए। मैं इस छोटी सी बात में नहीं पड़ना चाहता, लेकिन कुछ प्रोटोकॉल है।"

उत्तराधिकारी के पास एक तस्वीर हो। लेकिन मैं नौकरशाही में लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए वर्तमान मुख्य न्यायाधीश का वास्तव में आभारी हूँ, प्रोटोकॉल का पालन करना मौलिक है।"

"हमेशा दृढ़ संकल्प के साथ जवाब देता है": IAF ने 'अहश्य, अजेय, बेजोड़' लड़ाकू क्षमताओं वाला वीडियो जारी किया - देखें इस बीच, कांग्रेस नेता उदित राज ने सम्मान समारोह में वरिष्ठ राज्य अधिकारियों की अनुपस्थिति की आलोचना की, इसे CJI गर्वई और शीर्ष संवैधानिक पद पर बैठे दलित का अपमान बताया। एएनआई से बात करते हुए उदित राज ने कहा, "महाराष्ट्र और गोवा की बार काउंसिल ने उखक गर्वई के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया, जो महाराष्ट्र से हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश

बनने के बाद यह उनका पहला दौरा था, लेकिन मुख्य सचिव और DGP मौजूद नहीं थे। यह प्रोटोकॉल का गंभीर उल्लंघन है। गर्वई हमेशा संविधान के बारे में बोलते हैं, जिसके तीन स्तंभ हैं - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका - और न्यायपालिका का नेतृत्व मुख्य न्यायाधीश करते हैं। इन शीर्ष अधिकारियों की अनुपस्थिति ऐसे उच्च पद पर बैठे दलित का अपमान है। भाजपा दलितों का समर्थन नहीं कर सकती। मोदी जी और मुख्यमंत्री को देश की जनता से माफ़ी मांगनी चाहिए।"

सेना के सम्मान में निकला भारत शौर्य तिरंगा यात्रा

दैनिक समाज जागरण
सोनभद्र। चतरा क्षेत्र अंतर्गत रामगढ़ कस्बे में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के गर्व पर भारतीय सेना के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए भारत शौर्य तिरंगा यात्रा का आयोजन रावटसर्गंज विधान सभा के रामगढ़ किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप से भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता के नेतृत्व में निकाला गया। यात्रा के दौरान काफी संख्या में लोग शामिल हुए इस दरमियान हाथ में तिरंगा झंडा लेकर डीजे के साथ देशभक्ति गानों पर रामगढ़ कस्बा के मुख्य मार्ग पर भ्रमण किया। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ता कई सामाजिक संगठन के लोग देशभक्ति का अनूठा मिशाल पेश करते हुए "भारत माता की जय" की खूब



जयघोष लगाए। इस यात्रा में देशभक्ति का ऐसा ज्वार उमड़ा कि हर घर, गली, चौक और चौराहे पर 'वंदे मातरम्' 'जय हिंद' और 'भारतमाता की जय' के नारों की गूंज सुनाई दे रही थी यात्रा का समापन पन्नुगंज सब स्टेशन पर हुई इस दौरान एसटी/एससी के उपाध्यक्ष/ दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री जीत सिंह खरवार पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, रमेश मिश्रा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल, नगवां ब्लॉक

दुमदुमा में अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर मोबाइल चाय स्टॉल का शुभारंभ किया गया।

दैनिक समाज जागरण
गोरखनाथ गुहा।
सम्पूर्ण असम में चाय नगरी के नाम से प्रसिद्ध दुमदुमा में अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष्य में दुमदुमा के चाय बोर्ड भारत के द्वारा स्वीकृत असम ब्रटनलफ टी मेन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन का एक मोबाइल चाय स्टाल का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में दुमदुमा सम जिला आयुक्त नुजहात नसरीन ने उपस्थित होकर अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस पर एक



कप ताजा चाय की चुस्की लेते हुए मोबाइल चाय स्टाल का शुभारंभ किया। इस चाय स्टाल के जरिए सभी श्रेणियों के लोगों को चाय का स्वाद देकर, चाय की गुणवत्ता और इसके मापदंड

अधिकारी ने भी चाय का लुप्त उठाया।" चाय पीयो मौज में रहो और चाय पीयो स्वास्थ्य जीयो" के मूल मंत्र से आज के अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस मनाया गया।

आईटीआई लखनऊ में 8 कंपनियों द्वारा रोजगार मेला, 153 अर्थव्यर्थियों का चयन

समाज जागरण
लखनऊ, 21 मई 2025: राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ में मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अंतर्गत 8 प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संस्थान के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि यह आयोजन मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से किया गया, जिसमें कंपनियों से अधिक से अधिक प्रशिक्षार्थियों का चयन करने का अनुरोध किया गया। एम० ए० खाँ, ट्रेनिंग काउंसिलिंग

एण्ड प्लेसमेंट ऑफिसर ने बताया कि रोजगार मेले में कुल 230 प्रशिक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से साक्षात्कार प्रक्रिया के उपरांत 153 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न कंपनियों में किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 12,000 से 24,550 रूपए तक का वेतन एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएगी। जो अभ्यर्थी इस बार चयनित नहीं हो सके, वे आगामी 31 मई 2025 को आयोजित होने वाले अगले कैम्पस ड्राइव में प्रतिभाग कर सकते हैं, जो आईटी-आई अलीगंज, लखनऊ परिसर में ही आयोजित होगा।

मजबूत मांग के बीच एगोने की कीमतों में फिर से उछाल आने की संभावना, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम

बुधवार को ग्लोबल न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सोने की कीमतों में फिर से उछाल आने की संभावना है, क्योंकि सुरक्षित-संपत्तियों की मांग में नरमी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक द्वारा इस साल ब्याज दरों में कम कटौती की उम्मीदों को दरकिनार करने

वाले कई कारकों ने इसमें मदद की है। रिपोर्ट के अनुसार, सोने में तेजी के दृष्टिकोण और मजबूत अंतर्निहित समर्थन और विशेष रूप से चीन से मजबूत खरीद के कारण कीमतों में फिर से तेजी देखी जा रही है।

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ
दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।
रांची: छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाला में झारखंड के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विनय चौबे को एसीबी ने गिरफ्तार कर लिया है। एसीबी की टीम मंगलवार सुबह विनय चौबे के घर पहुंची थी और उन्हें लेकर एसीबी की टीम दफतर आ गई। एसीबी ऑफिस में संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेन्द्र सिंह के सामने उनसे कई घंटों तक पूछताछ की। दोपहर में मेडिकल की टीम



एसीबी ऑफिसर पहुंची और हेल्थ चेकअप करवाया गया। इसके बाद एसीबी की टीम पे विनय चौबे और गजेन्द्र सिंह को गिरफ्तार

कर लिया। दरअसल, साल मार्च 2022 में झारखंड में छत्तीसगढ़ मॉडल पर आधारित उत्पाद नीति लागू हुई थी। कहा जाता है कि झारखंड की पूर्व की उत्पाद नीति को राजस्व की कसौटी पर पर्याप्त बताकर पूरा गेम प्लान तैयार हुआ था। इस्को लेकर रायपुर में बैठक भी हुई थी। नीति के बनते ही छत्तीसगढ़ का सिंडिकेट सक्रिय हो गया था इस दौरान नकली होलाग्राम और अवैध शराब की सप्लाई कर राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाया गया

था। छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाला मामले में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने ईसीआईआर दर्ज कर झारखंड के तत्कालीन उत्पाद सचिव रहे विनय कुमार चौबे और पूर्व संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेन्द्र सिंह से ईडी ने रायपुर में पूछताछ की थी। इसके बाद दोनों अधिकारियों के घरों पर ईडी की छापेमारी भी हुई थी। बता दें कि रांची के अरगोड़ा निवासी विकास सिंह ने शराब घोटाला को लेकर शिकायत दर्ज करवाई थी।

शाही कैबिनेट बैठक से शाह क्यों हुए गायब ?

इंदौर में मध्य प्रदेश सरकार की शाही कैबिनेट मीटिंग में प्रदेश के जनजाति मंत्री विजय शाह शामिल नहीं हो पाए. ऐसा क्यों हुआ इसे लेकर अब केवल कयास लगाए जा रहे हैं. शाह के खिलाफ कर्नल सोफिया कुरेशी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर हाईकोर्ट के निर्देश पर मुकदमा दर्ज है और सुप्रीमकोर्ट के निर्देश पर मामले की जांच एसआईटी को करना है, इसमें 3आईपीएस अधिकारी शामिल हैं.

माता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर इंदौर के राजवाड़ा में मोहन कैबिनेट की बैठक शाही अंदाज में हुई. 1 कैबिनेट की मीटिंग से पहले राजवाड़ा में सीएम मोहन यादव ने मंत्रियों के साथ ग्रुप फोटो



खींचवाई लेकिन विजय शाह इसमें खोजने पर भी नहीं आए. कैबिनेट मीटिंग में शामिल होने के लिए तमाम मंत्री और खुद मुख्यमंत्री मोहन यादव एक दिन पहले ही इंदौर पहुंच गए लेकिन मालवा क्षेत्र से आने वाले विजय शाह कैबिनेट की मीटिंग में नहीं पहुंचे. अब ये तय करना मुश्किल है कि मंत्री विजय शाह खुद ही कैबिनेट की मीटिंग में नहीं आए या फिर सरकार ने उनसे खुद ही दूरी बना ली मुश्किल है कि सरकार ने शाह को बचाने के लिए ही शाह को बैठक से दूर रखा हो क्योंकि इंदौर में अगर कैबिनेट की मीटिंग में पहुंचते तो सारा ध्यान उन्हीं की ओर चला जाता. मुझे लगता है कि सरकार और पार्टी ने विजय शाह को अकेला नहीं छोड़ा है उल्टे दोनों शाह को बचा रहे हैं और उन्हें कर्नल सोफिया कुरेशी का मामला गर्म होते ही भूमिगत कर दिया गया. शाह सोशल मीडिया से भी गायब हैं और मीडिया में भी उनका कोई बयान आया.

आपको याद दिला दूँ कि सुप्रीमकोर्ट के निर्देश पर गठित एसआईटी अपनी पहली रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को 28 मई को सौंपेगी। इसके बाद कोर्ट आगे का फैसला लेगी। ऐसे में आने वाले दिनों में विजय शाह की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं शाह को गिरफ्तारी से बचाने के लिए सरकार और पार्टी पूरा कस बल लगा रही है. अगर शाह को अकेला छोड़ा गया होता तो शाह कबके गिरफ्तार हो चुके होते. उनका पता लगाना कोई कठिन काम नहीं है. आज जब तकनीक सीमा पर पाकिस्तानी आतंकियों के अड्डे चिन्हित कर लिए जाते हैं तब विजय शाह किस खेत की मूली हैं. अनुमान है कि सुप्रीमकोर्ट से शाह को अब शायद ही कोई रहत मिले. राहत मिलना होती तो पहले ही मिल जाती. अब लगता है कि शाह को न्यायिक प्रक्रिया से गुजरना ही पड़ेगा. अब दो ही रास्ते हैं, पहला ये कि शाह खुद आत्म समर्पण करें या एसआईटी उनके पक्ष में रपट दे. सारा कुछ एसआईटी की रिपोर्ट पर निर्भर है. एसआईटी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी के चलते शाह को बचाने की कोशिश करेगी इसकी उम्मीद कम ही है. लेकिन जिस तरीके से भाजपा और भाजपा शासित राज्यों ने अदालतों के प्रति जो रवैया अपना रखी है उसके चलते सब मुश्किल है. महाराष्ट्र में देश के मुख्य न्यायाधीश का अपमान करने के बारे में किसी ने कल्पना की थी क्या फिर भी शाह की गत राम ही जानें.

@ राकेश अचल

डिजिटल दुनिया में बचपन भटक रहा...!

आज डिजिटल दुनिया में बचपन है भटक रहा, परेन्ट्स को अनुसुना कर गूगल संग मटक रहा। बच्चे नई तकनीक से कदम से कदम मिला रहें, रिश्ते-नाते संग यार-दोस्त सब बहुत दूर जा रहें। सोशल मीडिया की गिरफ्त में खुद ही समा रहें, एक ही कमरे में बैठकर नजरें भी ना मिला रहे।

आज डिजिटल दुनिया में बचपन है भटक रहा, परेन्ट्स को अनुसुना कर गूगल संग मटक रहा। जिज्ञासु बच्चे अल्फा पीढ़ी के दुनिया में जी रहें, वर्तमान में पर्व, रीति-रिवाज से अनभिज्ञ हो रहें। ऑनलाइन पढ़ाई, शॉपिंग कर घर में वो सो रहें, परिवेश और संस्कार बिन काम घर बैठे हो रहें।

आज डिजिटल दुनिया में बचपन है भटक रहा, परेन्ट्स को अनुसुना कर गूगल संग मटक रहा। बच्चे घर और कक्षा में क्या? एक्टिविटी कर रहें, मॉम-डैड मोबाइल से रील बनाकर मस्त हो रहें। बच्चों को बचपन से हाथों में टेबलेट पकड़ा रहें, समयाभाव में कार्टून फिल्म का चस्का लगा रहें।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्यप्रदेश)



स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: <https://samajjagran.in/> Email: vatankiwaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

बैठकी

समाज जागरण

बैठकी जमते ही मास्टर साहब बोल पड़े--"सरजी, पाकिस्तान के साथ हुए तीन दिनों के युद्ध ने हम भारतीयों को सोचने पर बाध्य कर दिया है कि अगर 16 मई 2014 को हमारे देश की जनता ने आदरणीय मोदीजी को देश का प्रधानमंत्री नहीं बनाया होता तो आज हमारी कितनी दुर्गत की स्थिति रहती!! जनता ने मोदीजी के कंधे पर देश चलाने की जिम्मेवारी सौंप दी। उसके बाद से ही भारत हर क्षेत्र में सशक्त होता चला गया। चाहे वो अर्थव्यवस्था हो या राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था, गरीबी उन्मूलन हो या स्वास्थ्य सुविधा, यातायात व्यवस्था हो या वैज्ञानिक अनुसंधान उपलब्धियां, कृषि उत्पादन हो या शिक्षा व्यवस्था, स्वदेशी उत्पादन हो या वैश्विक प्रस्थिति आदि आदि। आज जिसको जो भाषा समझ में आती है हम उर-को, उसकी भाषा में ही समझाने में सक्षम हैं। 11 वर्षों में हमारा भारत कितना बदल गया है!!"

मास्टर साहब, हमें आज से 12-13 साल पहले का, कांग्रेस के शासनकाल में हमारे सेना की कितनी दयनीय स्थिति थी वो याद है। भारतीय सेना के पास न हथियार थे और न गोला बारूद। पाकिस्तानी आतंकी हमारे सैनिकों के सिर काट कर उससे फुटबॉल खेलते थे लेकिन मनमोहन सिंह, लालू और मुलायम की सरकार खामोश रहती थी।--उमाकाका दुखी लगे।

काकाजी, मुझे भी याद है जब तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल वी.के. सिंह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, को चिट्ठी लिखी थी कि हमारी सेना के पास गोला बारूद की कमी है, हमारा एयर डिफेंस सिस्टम कमजोर है, हमारे सैनिकों के लिए न प्रयाप्त बुलेट प्रूफ हैं और न गाड़ियां, हालत चिंताजनक है। लेकिन सरकार ने ध्यान ही नहीं दिया कांग्रेस सरकार को देश की सुरक्षा की चिंता ही नहीं थी।--कुंवरजी अखबार पलटते हुए।

अजी कांग्रेस सरकार में कोई भी रक्षा सौदा बगैर दलाली और कमिशनखोरी के होता ही नहीं था। राफेल जैसे सौदे, कमिशन तय नहीं होने के चलते अटक रहे। बोफोर्स तोप घोटाला तो याद ही होगा! कांग्रेस सरकार में रक्षा सौदे बर्षों लटके रहते थे, स्वदेशी निर्माण के प्रति सरकार की रुचि ही नहीं दिखी। देश की सुरक्षा से समझौता कर लिया जाता था लेकिन जेब भरने का लालच नहीं छोड़ा जाता था।--सुरेंद्र भाई मुंह बनाये।

अजी, कांग्रेस राज में लूट के प्रमाण समझने के संदर्भ में, सेना के लिए सिर्फ जुते खरीद की असलियत समझियेगा तो आप दंग रह जायेंगे! जयपुर की कंपनी सेना के लिए जुते बनाती थी जो इजरायल खरीद लेता था फिर वही जुते भारत सरकार, सैनिकों के लिए खरीदी थी। इजरायल से भारत 25000 रुपये प्रति जोड़ी की दर से खरीदता

ऑपरेशन सिंदूर- भारत की ताकत और विपक्ष की राजनीति का नया द्रंद्र

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का एक सशक्त प्रतीक बन चुका है। इस ऑपरेशन ने न केवल सीमाओं पर बैठे दुश्मनों को सीधा संदेश दिया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की स्थिति को मजबूत किया है। देशभर में इस ऑपरेशन की सराहना हो रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से लेकर कई बड़े देशों ने भारत के इस साहसी कदम की प्रशंसा की है। लेकिन देश के भीतर एक अजीब सा राजनीतिक संघर्ष भी शुरू हो गया है। जिस समय जनता एकजुट होकर सेना के पराक्रम पर गर्व कर रही है, उसी समय प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस इस ऑपरेशन पर सवाल उठाकर खुद को कठपुतरे में खड़ा कर रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिस तरह सरकार से यह पूछा कि कितने फाइटर प्लेन गिरे, यह सवाल वाजिब होते हुए भी एक गलत समय पर उठाया गया। जब देश युद्ध की स्थिति में होता है, तब जवाबदेही का मतलब समर्थन होता है, न कि सवालियों को बौखार। राहुल गांधी का यह बयान कि "सच जानना हमारा हक है" अपने आप में सही है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि सेना के मनोबल को ऐसे समय में ठेस न पहुंचे। एयर मार्शल एके भारती ने साफ कहा है कि हम युद्ध की स्थिति में हैं और इसमें नुकसान भी होता है, लेकिन क्या हमने अपने लक्ष्य हासिल किए? जवाब है हां। तो जब सेना खुद कह रही है कि उन्होंने मिशन को सफलता से पूरा किया है, तो सवाल पूछने की टाइमिंग पर बहस तो होगी ही।

विगत 11 वर्षों में भारत बदल चुका है



था। मोदी सरकार में रक्षामंत्री मनोहर पर्रिकर वहीं जुते जयपुर की कंपनी से डायरेक्ट मात्र 2200 रुपये में सेना को उपलब्ध कराने लगे। अब आप सोचिये!! वर्षों तक कांग्रेस ने कैसी लूट मचा रखी थी।--मास्टर साहब बुरा सा मुंह बनाये।

ठीक बोले मास्टर साहब, 2014 के बाद जब मोदी सरकार आयी तब जाकर, सेना की हालात में तेजी से सुधार होना शुरू हुआ। प्रधानमंत्री ने देश की सुरक्षा को गंभीरता से लिया और सेना को वो सारे साजो सामान उपलब्ध करायें जो उनकी जरूरत थी। मेक इंडिया के तहत भारत स्वदेशी हथियार बनाने और इस क्षेत्र में विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। नतीजतन तेजस फाइटर जेट, प्रचंड अटैक हेलिकॉप्टर, रुद्र, एचटीटी-40 ट्रेन प्लेन, धनुष तोप, पिनाका रॉकेट सिस्टम, आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम, भारत ने खुद बनाया। रूस से मिलकर एके-203 रायफल और आज विश्व में तहलका मचाने वाला "ब्रह्मोस मिसाइल" बनाया गया। नौसेना को आइएनएस विक्रान्त, वरुणास्त्र टॉरपीडो और अगली पीढ़ी के मिसाइल वेसल्स मिले जिससे हमारी समुद्री सुरक्षा ताकत बढ़ी। विदेशी सौदों में भी पारदर्शिता रही और फ्रांस से राफेल जेट, इजरायल से एमक्यू -9 ड्रोन, अमेरिका से सी-295 ट्रांसपोर्ट विमान और रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम भारत आया। जिसका परिणाम हमलों में नाल के पाकिस्तान के साथ हुए तीन चार दिनों के युद्ध में ही देख लिया न!! नतीजतन भारत का लोहा विश्व मानने को मजबूर दिख रहा है।--डा. पिंटू हाथ चमकाये।

इसबीच बेटी चाय का ट्रे रख गई और हमसभी एक एक कप उठाकर पुनः वार्ता में.....

जनता को याद रखना चाहिए कि यही कांग्रेस और विपक्ष हैं जो राफेल और एस-400 को भारत लाने में कितने हाथ तौबा और रोड़े अटका रहे थे। राफेल को लेकर तो रोड़े अटकाने के क्रम में सुप्रीम कोर्ट तक चले गये थे। याद है न!! राफेल डील को लेकर यही राहुल बोला था कि चौकीदार चोर है जिसके लिए उसे कोर्ट से फटकार मिली थी। कहता था - "राफेल डील घोटाला है, एस-400 से ज्यादा जरूरी तो लंच टाइम डिबेट है"। आज देश की जनता सुरक्षित है क्योंकि मोदी ने अपनी 56 इंच

की छाती सच में सिद्ध किया है। अन्यथा इन इंडी गठबंधन का राज होता तो हमारी आपकी हेकड़ी मलबे में दबी मिलती।--मास्टर साहब उतेजित लगे।

सरजी, मोदी सरकार और हमारी सेना ने सिद्ध कर दिया कि अगर सीमा पार से गोली चलेगी तो जवाब में इधर से गोला चलेगा। अगर तुम हमारे निदोषों की हत्या करोगे तो हम तुम्हारे आतंकी अड्डों को नष्ट कर देंगे चाहे पाकिस्तान के किसी कोने में छुपे हो। दुनिया ने देखा और अब तो खुद पाकिस्तानियों ने भी स्वीकार कर लिया है कि भारत ने उसके 9 आतंकी ठिकानों को पुरी तरह तबाह कर दिया है और 100 से अधिक आतंकियों को जहन्नुम में, 132 फीट की 72 हूरों के पास भेज दिया है। भारत के ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस को निष्क्रिय कर दिया है। इतना ही नहीं जब देखो तब पाकिस्तान परमाणु बम की धमकी देता था। उसके इस अहंकार को भी हमारी सेना ने धूल में मिला दिया। जबकि सिंधु नदी जल समझौता को इतिहास में फेंक दिया। यहां तक कि पाकिस्तान को सीजफायर की रहम मांगनी पड़ी। भारत ने स्पष्ट कर दिया कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।--डा.पिंटू भी रंग में लगे।

ए भाई, इ सीजफायर के बाद काग्रेसिया सब "आयर लेडी" कही के इंदिरा गांधी के तुलना करत रहले हा स।--मुखियाजी सोफे पर पहलु बदलते हुए।

हां मुखियाजी, चूकी 1971 के भारत और पाकिस्तान युद्ध में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को बुरी तरह पराजित किया था और बंगलादेश के रूप में पाकिस्तान का विभाजन करवाया था। हां ये वही आयरन लेडी थी जो हजारों भारतीय सैनिकों की कुबानी से प्राप्त विजय की थाली में सजाकर जीती जमीन और 93000 हजार पाकिस्तानी सैनिक युद्धबंदियों को सम्मान के साथ वापस पाकिस्तान को सौंप दी थी लेकिन अपने 58 पायलट सहित लगभग 4000 हजार सैनिक युद्धबंदियों को पाकिस्तान के जेलों में यातना सहकर मरने को छोड़ दिया था। हां मुखियाजी, ये वही आयरन लेडी थी जिसने 1971 के युद्ध का हिरो रहे जनरल मानेकशां का पेंशन और भत्ते को रोक दिया था क्योंकि मानेकशां ने इंदिरा गांधी के आदेश पर तुरंत हमला

की घड़ी में हम सरकार के साथ हैं। लेकिन ठीक एक हफ्ते बाद कांग्रेस नेताओं के सुर बदल गए। अब सवाल उठ रहा है कि कांग्रेस की उस प्रतिबद्धता का क्या हुआ?

दरअसल, कांग्रेस की रणनीति अब जय हिंद सभाओं के जरिए इखट पर हमला करने की है। 20 से 30 मई के बीच देशभर में कांग्रेस ऐसी सभाएं आयोजित कर रही है जिसमें यह बताया जाएगा कि कैसे बीजेपी राष्ट्रीय सुरक्षा का राजनीतिकरण कर रही है। लेकिन जनता यह सवाल भी पूछ रही है कि क्या यह सभाएं सेना के मनोबल के खिलाफ नहीं जा रही हैं? क्या इन सभाओं का मकसद राष्ट्रवाद की भावना को चोट पहुंचाना नहीं है?

भारत में विपक्ष की भूमिका बहुत अहम होती है। लोकतंत्र में यह विपक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह सरकार को जवाबदेह बनाए, गलतियों की ओर ध्यान दिलाए। लेकिन जब देश युद्ध की स्थिति में होता है, तब आलोचना और समर्थन के बीच की रेखा बहुत महीन हो जाती है। यही वजह है कि 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के समय कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने आरंभिक रूप से सरकार का समर्थन किया था, लेकिन जैसे ही चुनावी राजनीति आई, उन्होंने मोर्चा बदल लिया। इस बार भी कुछ वैसा ही हो रहा है।

राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों में यह भी शामिल था कि भारत के कितने फाइटर प्लेन गिरे। तकनीकी रूप से देखा जाए तो यह सवाल उचित हो सकता है, लेकिन इस सवाल का समय और मंच गलत है। युद्ध के समय इस तरह के सवाल से दुश्मन देश को ही लाभ होता है। पाकिस्तान की संसद में बिलावल भुट्टो ने कहा कि भारत ने रात के अंधेरे में हमला किया और इसे कायदा करार दिया। जब पाकिस्तान की सरकार भारत को कायर बता रही है और भारत का विपक्ष कह रहा है कि भारत ने हमला बताकर किया, तो क्या इससे भारत की छवि को नुकसान नहीं होता?

न करके, सैनिक कार्यवाही के अनुकूल समय देखकर हमला करना उचित समझा था और जीता भी। ये वही आयरन लेडी थीं जिन्होंने इमरजेंसी का जख्म भारत और भारतियों को दिया था और जबर्न लाखों हिंदुओं को नसबंदी की थी ताकि भारत में हिंदुओं की संख्या घटे। छोड़िये, मूर्ख और लालची हिंदुओं के आगे आयर लेडी की क्या पदाफांश करं! बस इतना ही कहूंगा कि "मोदी" की तुलना इंदिरा से करना, हिंदुओं का मजाक उड़ाना है।--डा.पिंटू क्षुब्ध लगे।

मोदी सरकार और उसके पहले की कांग्रेस सरकार में अंतर, देश के रक्षा बजट की तुलना से ही स्पष्ट हो जायेगा। कांग्रेस सरकार का वर्ष 2013-2014 में रक्षा बजट था--2.03 लाख करोड़, रक्षा निर्यात था--686 करोड़। तत्कालीन कांग्रेसी रक्षामंत्री एके एंटनी ने कहा था कि सैन्य हथियार खरीदने के लिए हमारे पास पैसे नहीं हैं। जबकि मोदी सरकार का वर्ष 2025-26 का रक्षा बजट है--6.81 लाख करोड़ और रक्षा निर्यात है--23622 करोड़। केवल 5 वर्षों में भारत ने 2 लाख करोड़ के सैन्य हथियार खरीदे। अभी कल मोदी सरकार ने सेना को आवश्यकतानुसार गोला बारूद खरीदने के लिए 40 हजार करोड़ का गिफ्ट दे दिया है।--कुंवरजी अखबार रखते हुए।

जो भी हो, इतना तो सभी मानेंगे कि मोदी शासन के पहले फौज के हाथ बंधे होते थे जबकि आज फौज एक्शन लेने के लिए स्वतंत्र है। तेजस्वी वैज्ञानिकों की अज्ञात कार्यों से मोत हो जाया करती थी और वैज्ञानिक कहते थे कि संसाधन उपलब्ध नहीं कराया जाता लेकिन आज हम चांद पर हैं। हमारे वैज्ञानिक देश को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। आज आतंकियों को मोदीजी कहते हैं कि घर में घुसकर मारेगे जबकि आज आतंकियों से पुछिये तो कहेंगे कि कांग्रेस बहुत अच्छी थी, कांग्रेस ने हमें कभी नहीं रोका। आज हम विश्व की तेरहवीं से चौथी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं।--उमाकाका हाथ चमकाये।

काकाजी, मोदी सरकार का कमाल है कि आज पुरा विश्व भारत की ओर कान और आंख केंद्रित किये है। खैर आज इतना ही फिर कल।--कहकर मैं उठ गया और इसके साथ ही बैठकी भी.....!!!!



प्रोफेसर राजेंद्र पाठक
(समाजशास्त्री)

सेना के लिए सबसे बड़ा हथियार होता है जनता का समर्थन। अगर देश की जनता एकजुट होकर अपने जवानों के पीछे खड़ी हो तो सेना का मनोबल उंचा रहता है। लेकिन जब देश के भीतर से ही विपक्ष इस तरह के सवाल उठाकर सेना की नीतियों पर संदेह करता है, तो यह सवाल जरूर उठता है कि क्या यह आलोचना है या राजनीतिक हथियार?

कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह सिंदूर का सौदागर जैसे शब्दों का प्रयोग किया है, वह भारतीय राजनीति की भाषा के स्तर को गिराता है। यह वही कांग्रेस है जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कभी मौत का सौदागर कहा था। अब सिंदूर का सौदागर कहकर बीजेपी को यह बताया जा रहा है कि वह देशभक्ति को बेचना चाहती है। लेकिन सवाल यह है कि अगर बीजेपी राष्ट्रवाद को बेच रही है, तो उसे खरीद कौन रहा है? क्या जनता इतनी भोली है कि वह राष्ट्रवाद के नाम पर सब कुछ भूल जाती है?

आज जब ऑपरेशन सिंदूर जैसे सैन्य अभियानों के जरिए भारत अपनी सीमाओं को सुरक्षित कर रहा है, आतंकवाद के खिलाफ खुलकर मोर्चा ले रहा है, तो क्या विपक्ष की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह इन प्रयासों का समर्थन करे? आलोचना जरूर होनी चाहिए लेकिन समय देखकर, मंच देखकर और शब्दों को मापकर। आज भारत का आम नागरिक यह पूछ रहा है कि जब देश युद्ध के मुहाने पर खड़ा हो, तब विपक्ष क्यों एकजुट नहीं हो सकता? क्या राजनीति इतनी जरूरी हो गई है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी ऊपर हो जाए?

भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहाँ सवाल पूछने की आजादी सबको है। लेकिन सवाल वही पूछे जाते हैं जो जरूरी हों, और समय वही चुना जाता है जो उचित हो। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस की बदली हुई रणनीति और तीखे आरोप न केवल उसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहे हैं, बल्कि देश की एकता और अखंडता के लिए भी खतरे की घंटी हैं। जनता सब देख रही है, और आने वाले चुनावों में इसका जवाब जरूर देगी।

भाजपा ब्लॉक प्रमुख की बहन के होटल में चल रहा था जिस्मफरोशी का धंधा, 10 गिरफ्तार

0 कोलकाता,जयपुर, झारखंड से बुलाई गई थीं कॉलेजर्स
0 होटल की मालकिन ज्योति पटेल और एजेंट रेशमा फरार

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। भाजपा ब्लॉक प्रमुख की बहन के संजनगर स्थित संभव होटल में चल रहे जिस्मफरोशी के धंधे का इज्जतनगर पुलिस ने पदाफाश कर दिया है। मौके से कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 7 युवतियों और 3 पुरुष शामिल हैं। गिरफ्तार युवतियों में से कई पश्चिम बंगाल, राजस्थान, झारखंड और लखनऊ की रहने वाली हैं।

कॉल गर्ल्स को जयपुर, झारखंड और कोलकाता से बुलाया गया

पुलिस की छानबीन में सामने आया है कि होटल में चल रहा देह व्यापार का नेटवर्क राष्ट्रीय स्तर पर फैला हुआ था। आरोपित महिलाएं जयपुर, कोलकाता, लखनऊ और झारखंड से बरेली बुलाई जाती थीं। ये महिलाएं पैसे के लालच में इस अवैध धंधे में संलिप्त थीं। ग्राहकों को होटल में बिना पहचान पत्र के कमरा मुहैया कराया जाता था, और हर सैट में होटल संचालिका को हिस्सा दिया जाता था।

होटल की मालकिन ज्योति पटेल और एजेंट रेशमा फरार मुख्य आरोपित ज्योति पटेल और



महिलाओं को होटल तक पहुंचाने वाली ब्रॉकर रेशमा घटना के बाद से फरार हैं। पुलिस की कई टीमों दोनों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही हैं। पूछताछ में अन्य आरोपियों ने खुलासा किया कि होटल की रिसेप्शनिस्ट मोनिका भी इस रैकेट की साझेदार थी और ग्राहकों की बुकिंग तथा कमरों के आवंटन का कार्य संभालती थी।

आपत्तिजनक सामग्री और नकदी बरामद

छापे के दौरान पुलिस ने होटल से 82,500 नकद, 10 मोबाइल फोन, सेक्सवर्धक दवाइयां, मेकअप किट, एक रजिस्टर, और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया है।

इन लोगों को किया गया गिरफ्तार

आशिया पत्नी तारिक अली, निवासी लखनऊ, सपना पुत्री जुल्मा सरदार, निवासी पश्चिम बंगाल, माही मंडन पत्नी रहीम मंडन, निवासी झारखंड, अजमीरा खान, निवासी पश्चिम बंगाल, दीपिका माथा, निवासी

पश्चिम बंगाल, पल्लवी पुत्री शिव सिंह, निवासी राजस्थान, मोनिका पत्नी संजय सिंह, निवासी बदायूं, सुमित शर्मा, निवासी बरेली, चन्नु खां, निवासी बरेली, गोश मोहम्मद, निवासी बरेली शामिल हैं।

केस दर्ज, रैकेट का पूरा नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ अनेकित देह व्यापार अधिनियम सहित आईपीसी की कई धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही होटल में उपलब्ध फर्जी आईडी और अन्य दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। अनुमान है कि इस रैकेट के तार कई अन्य जिलों से भी जुड़े हो सकते हैं।

डीआईजी अजय साहनी ने किया रिजर्व पुलिस लाइन और एसएसपी ऑफिस का वार्षिक निरीक्षण, व्यवस्थाएं सुधारने के लिए सख्त निर्देश

0 परेड से की शुरुआत, शाखाओं की ली बारीकी से जानकारी

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। बुधवार को बरेली के पुलिस महकमे में अनुशासन और पारदर्शिता को लेकर एक बड़ा कदम उठाया गया, जब डीआईजी अजय साहनी ने रिजर्व पुलिस लाइन और एसएसपी ऑफिस का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परेड की सलामी ली, शाखाओं की गहन जांच की और अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार लाने के सख्त निर्देश दिए।



निरिक्षण, कार्यशैली में लाने को कहा सुधार

पुलिस लाइन के बाद डीआईजी अजय साहनी एसएसपी ऑफिस पहुंचे और वहां अलग-अलग शाखाओं का जायजा लिया। उन्होंने कर्मचारियों के कामकाज की शैली देखी और

बेहतर प्रदर्शन के लिए कई जरूरी सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और जिम्मेदारी बेहद जरूरी है, जिससे आम जनता को बेहतर सेवाएं मिल सकें।

पेंशनर्स और अभियोजन अधिकारियों से की मुलाकात, समस्याएं जल्द सुलझाने के निर्देश

निरिक्षण के बाद डीआईजी साहनी ने निरीक्षण के बाद डीआईजी साहनी ने सिर्फ औपचारिक था, बल्कि इसमें कई जरूरी बिंदुओं पर ध्यान देते हुए बदलाव की दिशा में ठोस पहल की गई। इससे साफ है कि पुलिस व्यवस्था को ज्यादा जवाबदेह, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की दिशा में उच्च स्तर पर काम किया जा रहा है।

में तेजी और पारदर्शिता लाने पर जोर दिया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों की रही उपस्थिति, निरीक्षण को मिला गंभीरता से अमल

इस अवसर पर एसएसपी अनुराग आर्व, एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी साउथ अंशिका वर्मा, एसपी नॉर्थ मुकेश चंद्र मिश्रा, एसपी टैफिक मोहम्मद अकमल सहित पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों को गंभीरता से लिया और सुधारात्मक कदम उठाने की बात कही।

पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में बड़ा कदम

डीआईजी अजय साहनी का यह निरीक्षण न सिर्फ औपचारिक था, बल्कि इसमें कई जरूरी बिंदुओं पर ध्यान देते हुए बदलाव की दिशा में ठोस पहल की गई। इससे साफ है कि पुलिस व्यवस्था को ज्यादा जवाबदेह, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की दिशा में उच्च स्तर पर काम किया जा रहा है।

परेड से की शुरुआत, शाखाओं की ली बारीकी से जानकारी

डीआईजी साहनी सबसे पहले रिजर्व पुलिस लाइन पहुंचे, जहां परेड की सलामी लाने के बाद उन्होंने एक-एक शाखा का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ शब्दों में अधिकारियों को कहा कि सभी कार्य समयबद्ध और व्यवस्थित ढंग से पूरे किए जाएं। उन्होंने यह भी देखा कि पुलिसकर्मियों को किस तरह की सुविधाएं दी जा रही हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है।

एसएसपी ऑफिस का भी किया

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, योगदान को किया याद

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। कांग्रेस पार्टी द्वारा आज स्टेशन रोड स्थित श्रीन हवेली हॉल में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला ने कहा अमर राजीव गांधी आज जीवित होते, तो भारत विश्वगुरु बन चुका होता। उनके दूरदर्शी नेतृत्व की आज भी देश को जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि राजीव गांधी की कमी हमेशा महसूस की जाती रहेगी। पूर्व प्रदेश सचिव असलम चौधरी ने राजीव जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वहां दूरदर्शी नेता थे जिन्होंने भारत में आधुनिक



तकनीक, संचार क्रांति एवं युवा शक्ति को बढ़ावा देने का काम किया उनका बलिदान हमेशा प्रेरणा का श्रोत रहेगा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य पंडित राज शर्मा ने कहा आज हम जिस डिजिटल इंडिया की बात करते हैं, उसकी नींव राजीव गांधी ने ही रखी थी। देश को आधुनिकता की दिशा में आगे ले जाने में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। युवा प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला ने कहा कि राजीव जी देश

के हर युवा के लिए प्रेरणा श्रोत हैं आज का डिजिटल इंडिया राजीव जी के देन है। इस मौके पर पंडित राज शर्मा, युवा प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला, डॉ. दत्त राम गंगवार, श्याम पाल सिंह, सुरेंद्र सोनकर, गुड्डू अंसारी, चेत राम, मोहम्मद हसन, ऐश्वर्यन मौर्य, जुबेर खान, कल्लू खान, यामीन कुरैशी, रोफ अहमद, मुस्ताक खान, अफसर खान, निजकत हुसैन, शिव शंकर शर्मा, राहुल शर्मा सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्य अभियंता कार्यालय परिसर में नारेबाजी, आउटसोर्स कर्मचारियों के शोषण का आरोप

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। विद्युत तकनीकी कर्मचारी एकता संघ के बैनर तले बुधवार को मुख्य अभियंता कार्यालय परिसर में कर्मचारियों ने दूसरे दिन भी जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन के खिलाफ रोष जताया।



धरने में शामिल कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि पावर कॉर्पोरेशन और इसके सहयोगी निगम आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्त कर्मचारियों से खतरनाक और तकनीकी कार्य जैसे लाइनमैन और उपकेंद्र संचालन करावा रहे हैं, जबकि वेतन में भारी भेदभाव किया जा रहा है। सैनिक कल्याण निगम से नियुक्त कर्मचारियों को 30,000 का अनुबंध वेतन मिल रहा है, जबकि वही कार्य कर रहे संचालक कर्मचारियों को मात्र 13,000 दिए जा रहे हैं।

72 घंटे का कार्य बहिष्कार जारी उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन निविदा/सविदा कर्मचारी संघ के आह्वान पर गंगवार से शुरू हुआ 72 घंटे का कार्य बहिष्कार बुधवार को भी जारी रहा। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा।

धरने में शामिल कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि पावर कॉर्पोरेशन और इसके सहयोगी निगम आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्त कर्मचारियों से खतरनाक और तकनीकी कार्य जैसे लाइनमैन और उपकेंद्र संचालन करावा रहे हैं, जबकि वेतन में भारी भेदभाव किया जा रहा है। सैनिक कल्याण निगम से नियुक्त कर्मचारियों को 30,000 का अनुबंध वेतन मिल रहा है, जबकि वही कार्य कर रहे संचालक कर्मचारियों को मात्र 13,000 दिए जा रहे हैं।

नेताओं ने जताई एकजुटता धरने में जिलाध्यक्ष रिंकू श्रीवास्तव, तस्लीम खान, राहुल शर्मा, चंद्र प्रकाश सिंह, आसिफ अली, भुवनेश गंगवार, रुम सिंह, कपिल मिश्रा, ब्रदीप कुमार, संजय, अमित समेत 200 संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने एक सुर में कहा कि अधिकारों की लड़ाई अंतिम दम तक लड़ी जाएगी।

धरने में जिलाध्यक्ष रिंकू श्रीवास्तव, तस्लीम खान, राहुल शर्मा, चंद्र प्रकाश सिंह, आसिफ अली, भुवनेश गंगवार, रुम सिंह, कपिल मिश्रा, ब्रदीप कुमार, संजय, अमित समेत 200 संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने एक सुर में कहा कि अधिकारों की लड़ाई अंतिम दम तक लड़ी जाएगी।

कम कर्मचारियों पर बढ़ता काम का बोझ

कर्मचारियों ने बताया कि ग्रामीण विद्युत उपकेंद्रों पर जहां 20 कर्मचारियों की जरूरत है, वहां मात्र 12.5 कर्मचारी ही तैनात किए गए

धरने में जिलाध्यक्ष रिंकू श्रीवास्तव, तस्लीम खान, राहुल शर्मा, चंद्र प्रकाश सिंह, आसिफ अली, भुवनेश गंगवार, रुम सिंह, कपिल मिश्रा, ब्रदीप कुमार, संजय, अमित समेत 200 संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने एक सुर में कहा कि अधिकारों की लड़ाई अंतिम दम तक लड़ी जाएगी।

पटिषदीय विद्यालयों शुरू हुए समरकैंप, छात्र-छात्राओं ने जमकर मचाया धमाल

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। महानिदेशक स्कूल शिक्षा उत्तर प्रदेश के निर्देशन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार बुधवार को विकासखंड भदपुरा, बिथरी चैनपुर के सरकारी स्कूलों में भी कांवेन्ट स्कूलों की तरह ही समरकैंप का शुभारंभ विजय कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर उन्होंने बताया उत्तर प्रदेश प्रदेश सरकार की मंशा के अनुसार एवं शासन के विभिन्न निर्देशों के पालन में बुधवार 21 मई से समस्त पटिषदीय विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन शिविर समरकैंप का संचालन शुरू किया गया है। जो कि 10 जून



2025 तक नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे। विद्यालयों में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों की समरकैंप में रहकर प्रतिभाग करने के लिए अभिभावकों से अनुमति ली गई। उच्च प्राथमिक विद्यालय इटौवा

कंपोजिट विद्यालयों तथा विकासखंड भदपुरा के समस्त 52 उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में समरकैंप का आयोजन किया जा रहा है। श्री कुमार ने विकासखंड बिथरी चैनपुर एवं भदपुरा के उ.प्रा.वि. इटौवा वेनीराम उ.प्रा.वि. डोहरा उ.प्रा.वि. गोपालपुर कंपोजिट विद्यालय बिजासीन उ.प्रा.वि. बड़ागांव आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण में समस्त विद्यालयों में नामित अनुदेशकों एवं शिक्षामित्रों ने समरकैंप का आयोजन बड़ी ही रोचक गतिविधियों के द्वारा शुरू किया।

कंपोजिट विद्यालयों तथा विकासखंड भदपुरा के समस्त 52 उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में समरकैंप का आयोजन किया जा रहा है। श्री कुमार ने विकासखंड बिथरी चैनपुर एवं भदपुरा के उ.प्रा.वि. इटौवा वेनीराम उ.प्रा.वि. डोहरा उ.प्रा.वि. गोपालपुर कंपोजिट विद्यालय बिजासीन उ.प्रा.वि. बड़ागांव आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण में समस्त विद्यालयों में नामित अनुदेशकों एवं शिक्षामित्रों ने समरकैंप का आयोजन बड़ी ही रोचक गतिविधियों के द्वारा शुरू किया।

शिशु वाटिका प्ले ग्रुप का मध्य रंगारंग के साथ उद्घाटन

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। सरस्वती शिशु मंदिर नैनीताल मार्ग में शिशु वाटिका प्ले ग्रुप का मध्य रंगारंग कार्यक्रम के साथ उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती ब्रज प्रदेश के संगठन मंत्री हरिशंकर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन किया गया।



अनुरूप संपूर्ण देश में लगभग 24,000 विद्यालय कार्यरत हैं जो देशभक्त की शिक्षा देते हुए आज उच्च संस्थान तक अपना प्रभाव छोड़ रहे हैं। शिशुओं के क्रीड़ांगन स्थल का भारतीय शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश के

मंत्रो अनिल गर्ग ने फीता काटकर उद्घाटन किया। विद्यालय प्रधानाचार्य सुनील कुमार सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति के मंत्री दिनेश मलिक, राजीव सक्सेना विद्यालय कोषाध्यक्ष राकेश, शिशु वाटिका प्रभारी, नीलम मिश्रा, अलका नवीन आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी विद्यालय मीडिया प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने दी।

एसपी सिटी की बड़ी कार्रवाई: 'विधायक' लिखी ब्लैक फिल्म चढ़ी कार सीज, 150 कारों पर चालान, 29 डग्गामार वाहन जब्त

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

बरेली। एसपी सिटी मानुष पारीक ने मंगलवार को अवैध डग्गामार वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। शहर के सेटैलाइट क्षेत्र में हुए इस ऑनक चेकिंग अभियान में 28 इंको वैन और 2 बसों को जब्त किया गया। वहीं सड़क किनारे अवैध रूप से खड़ी करीब 150 गाड़ियों का चालान भी काटा गया। चेकिंग के दौरान एक वरना कार को भी रोका गया, जिसके शीशों पर काली फिल्म चढ़ी थी और आगे ह्विचक्रकण्ड लिखा था। जांच के लिए रोके जाने पर उसमें बैठा युवक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। कार की विधानसभा का पास भी चिपका हुआ था। पूछताछ में पता चला कि यह कार समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक सुल्तान बेग के नाम पर बनाई जा रही है, हालांकि संबंधित पूर्व विधायक ने किसी भी तरह का जुड़ाव इस गाड़ी से होने से इनकार किया है।



नो पार्किंग में खड़ी कारें भी बनी निशाना पीलीभीत रोड पर स्थित कार बाजार के व्यापारियों द्वारा सड़क के किनारे खड़ी की गई करीब 150 गाड़ियों को भी पुलिस ने निशाना बनाया। ये सभी वाहन नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े थे। एसपी सिटी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगे से सड़क पर कोई भी वाहन खड़ा न किया जाए, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल मौजूद इस अभियान में एसपी सिटी मानुष पारीक के साथ सीओ पंकज श्रीवास्तव, इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय और अन्य पुलिस बल के जवान बड़ी संख्या में तैनात थे। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई की सराहना की और उम्मीद जताई कि अवैध वाहनों के खिलाफ यह सख्ती आगे भी जारी रहेगी।

इंको वैन और बसों की धरपकड़ सेटैलाइट क्षेत्र में चारों दिशाओं में 24 घंटे अवैध सवारी ढोने वाली इंको वैन चल रही थीं। एसपी सिटी मानुष पारीक ने मंगलवार को अचानक वहां पहुंचकर अभियान चलाया और मौके पर ही 28 इंको वैन सीज कर दी गईं। इसके अलावा बीसलपुर रोड पर चल रही दो डग्गामार बसों को भी जब्त किया गया।

कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल मौजूद इस अभियान में एसपी सिटी मानुष पारीक के साथ सीओ पंकज श्रीवास्तव, इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय और अन्य पुलिस बल के जवान बड़ी संख्या में तैनात थे। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई की सराहना की और उम्मीद जताई कि अवैध वाहनों के खिलाफ यह सख्ती आगे भी जारी रहेगी।

भारतीय किसान यूनियन चट्टनी ने मुख्य विकास अधिकारी को जापान सौंपकर सभी समस्याओं पर कार्रवाई करने को कहा

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। आज भारतीय किसान यूनियन चट्टनी बरेली टीम ने बरेली कि जन समस्याओं को गंभीरतापूर्वक लेकर आज किसान बंधु कि बैठक में विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी को जापान सौंपकर सभी समस्याओं पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने को कहा तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया संगठन ने कहा कि यदि संबंधित निम्न समस्याओं पर गंभीरतापूर्वक कार्रवाई नहीं हुई तो भारतीय किसान यूनियन चट्टनी धरना-प्रदर्शन करेगी जिसकी सारी



जिम्मेदारी आपकी होगी जिला मुख् विकास अधिकारी महोदया के जल्द से जल्द कार्रवाई करने कि बात पर सभी लोग शांत हुए। धन्यवाद बैठक में जिला उपाध्यक्ष छेदलाल वर्मा जिला संगठन मंत्री

सज्जाद अख्तर जैदी जिला संयोजक रुपलाल राजपुत शहर उपाध्यक्ष महमूद हुसैन खान के अलावा अन्य तमाम किसान मजदूर वर्ग उपस्थित रहा। यह जानकारी जिलाध्यक्ष बरेली केशव सिंह सोलंकी ने दी।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बरेली इंटर कॉलेज में हुई अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा

दैनिक समाज जागरण संवाददाता बरेली। अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बीएससी नर्सिंग के लिए प्रवेश परीक्षा बुधवार को बरेली इंटर कॉलेज में विश्वविद्यालय से आए डॉ राजीव कुमार सागर, डॉ नानकचंद एवं केंद्र व्यवस्थापक डॉ

राजीव कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में परीक्षा का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे से 01:20 बजे तक

हूआ केंद्र पर कुल पंजीकृत 480 परीक्षार्थियों में 462 ने परीक्षा दी इस दौरान परीक्षा विभाग से उमेश चंद्र दीक्षित, ज्योति जौहरी, खुशीराम, अनुराग जौहरी, प्रदीप कुमार गुप्ता, मीना गंगवार, उमेश पटेल सहित तमाम स्टाफ एवं पुलिस फोर्स मौजूद रहा।



पटना के फतुहा में हाइवा की टक्कर से चार दुकानें ध्वस्त, एक घायल

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात एक अनियंत्रित हाइवा (बड़ा ट्रक) ने फतुहा बाजार स्थित मिजापुर नोहटा मोहल्ले में एक मकान को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस हादसे में मकान के साथ-साथ उसमें बनी चार दुकानें भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।



हाइवा मकान के सामने बनी दुकानों की सीढ़ियों तक चढ़ गया। बताया जा रहा है कि टक्कर के समय कई लोग अपनी-अपनी दुकानों को बंद कर घर जा चुके थे, जिससे एक सड़क किनारे बने मकान में आ घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि

शटर तोड़ डाला और अंदर रखा सारा इलेक्ट्रॉनिक सामान तहस-नहस हो गया। संतोष कुमार की कंप्यूटर दुकान और एक स्थानीय बिरयानी दुकान को भी भारी क्षति पहुंची है। हादसे में घायल व्यक्ति की पहचान गौरी यादव के रूप में हुई है जो सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक में सो रहे थे। हाइवा की टक्कर से वह ट्रक भी क्षतिग्रस्त हो गया और उसी में सो रहे गौरी यादव का हाथ टूट गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद हाइवा का चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर हाइवा को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। वाहन की गति अत्यधिक तेज थी और चालक शायद नशे की हालत

में था। हालांकि, पुलिस इस संबंध में अभी कुछ भी कहने से बच रही है और घटना की निष्पक्ष जांच का भरोसा दे रही है। स्थानीय दुकानदारों और मोहल्लेवासियों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि इस इलाके में भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि यह एक घनी आबादी वाला क्षेत्र है। दुकानदारों ने प्रशासन से मुआवजे की भी मांग की है। फतुहा थानाध्यक्ष ने बताया कि घायल का इलाज जारी है और चालक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

दिव्यांग बच्चों के लिए बिहार सरकार करेगी 7279 शिक्षकों की बहाली

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश



पटना/ बिहार सरकार ने राज्य के दिव्यांग यानी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा को और बेहतर बनाने के लिए एक अहम कदम उठाया है। सरकार ने घोषणा की है कि प्रदेश के विभिन्न स्कूलों में 7279 विशेष शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। यह बहाली दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल मानी जा रही है। इससे इन बच्चों को उनकी जरूरतों के अनुसार उपयुक्त शैक्षणिक सहयोग मिल सकेगा। शिक्षा विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार कुल 7279 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। इन पदों को दो वर्गों में बांटा गया है। पहली श्रेणी में कक्षा 1 से 5 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए 5534 पद निर्धारित किए गए हैं, जबकि दूसरी श्रेणी में कक्षा 6 से 8 तक के लिए 1745 पद रखे गए हैं। इन शिक्षकों की नियुक्ति से प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों को आवश्यक शैक्षणिक सहायता प्रदान की जा सकेगी। इस बहाली की प्रक्रिया बिहार लोक सेवा आयोग यानी

बीपीएससी के माध्यम से संपन्न कराई जाएगी। पूरी प्रक्रिया TRE 3.0 की तर्ज पर होगी, जिसमें लिखित परीक्षा और दस्तावेजों की जांच शामिल होगी। इस श्रेणी की पहले से ही शिक्षक नियुक्ति में अपनाई जा रही है और पारदर्शिता व निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए जानी जाती है। शिक्षा विभाग ने बहाली संबंधी संपूर्ण प्रस्ताव और दिशा-निर्देश बीपीएससी को सौंप दिए हैं, जिससे अब प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू की जा रही है। इस विशेष शिक्षकों की बहाली प्रक्रिया में उम्मीदवारों को आयु सीमा में छूट भी दी जा रही है। जहां सामान्य शिक्षकों के लिए अधिकतम आयु सीमा 37 वर्ष निर्धारित है, वहीं विशेष शिक्षकों के लिए यह सीमा 47 वर्ष तय की गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि दिव्यांग बच्चों के लिए नियुक्त होने वाले

शिक्षकों को 10 वर्षों की अतिरिक्त उम्र छूट दी जा रही है। यह निर्णय उन अनुभवी और योग्य अर्थवर्धियों के लिए लाभकारी होगा, जो उम्र की सीमा पार कर चुके हैं लेकिन अभी भी सेवा देने के इच्छुक हैं। इस भर्ती प्रक्रिया में केवल वे ही अर्हता आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने बीएसएसटीईटी यानी बिहार स्पेशल स्कूल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट 2023 पास किया है। वर्ष 2023 में बिहार बोर्ड ने इन 7279 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे, लेकिन नियुक्ति प्रक्रिया को अब बीपीएससी के माध्यम से औपचारिक रूप दिया जा रहा है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सिर्फ योग्य और प्रशिक्षित उम्मीदवारों को ही नियुक्त किया जाए, जिससे दिव्यांग बच्चों की शिक्षा में गुणवत्ता बनी रहे।

बालू लदी हाइवा से कुचलकर एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत

बालू लदी वाहनों से सड़क किनारे गांव के लोग असुरक्षित समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दुल्हिन बाजार थाना अंतर्गत पनसुहि गांव के पास बुधवार की सुबह एक बालू लदी हाइवा ट्रक एक व्यक्ति को रौंदकर भाग निकला। जिससे उस व्यक्ति की घटनास्थल पर मौत हो गयी। वही मृतक का शरीर चिथड़े चिथड़े हो गयी। जानकारी के अनुसार पटना जिले के दुल्हिन बाजार थाना अंतर्गत पनसुहि गांव निवासी 58 वर्षीय भवनाथ मोची बुधवार की



सुबह पाली मसौड़ी मुख्य सड़क पर टुकल रहा था। उसी दौरान वहां से गुजर रही एक बालू लदी तेज रफ्तार हाइवा ट्रक अनियंत्रित होकर भवनाथ मोची को रौंदते हुए मसौड़ी की ओर भाग निकला। इस हादसे में भवनाथ मोची के शरीर के चिथड़े उड़ गया व उसका मौत हो गया। यह देख ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग तथा सड़क पर हो रही हादसा से सुरक्षा की मांग करते हुए पाली मसौड़ी मुख्य सड़क को जाम कर दिया। वही घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची दुल्हिन बाजार पुलिस ने ग्रामीणों को समझाया

तथा सड़क से जाम हटवाकर यातायात की शुरुआत करवाई। वही पुलिस ने सड़क पर बिखरे शव की टुकड़ों को एकत्रित कर कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए पालीगंज अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। इस सम्बन्ध में ग्रामीणों का कहना है कि बालू की धुलाई करनेवाला वाहन सड़क किनारे वाले गांव के ग्रामीणों को जीना दूभर कर दिया है। इसकी रफ्तार को देख भय सा लगता है। इसे नियंत्रित करनेवाला कोई भी ट्रॉफिक पुलिस या कर्मी नहीं है। सोन नदी से बालू लेकर आनेवाली वाहनों से सड़क इतनी व्यस्त हो गयी है कि हमेशा जाम लगी रहती है और जाम हटते ही वाहनों की रफ्तार काफी तेज हो जाती है। वही ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि सरकार अपनी राजस्व के सामने आम जनता की जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है। बालू से सरकार को राजस्व आती है लेकिन सरकार की ओर से उचित ट्रॉफिक व्यवस्था नहीं की जाने के कारण आये दिन हादसा होते रहती है। देखा जाए तो जितनी मौतें अपराधियों द्वारा की जाती है उससे अधिक मौतें सड़क हादसे में हो रही है। जिसे देखते हुए सड़क सुरक्षा को लेकर सरकार को ठोस कदम उठाना चाहिए।

घर के पीछे छुपा कर रखे बड़ी मात्रा में देसी और विदेशी शराब बरामद धंधेबाज फरार

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद) नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के माली थाना क्षेत्र के बैरिया गांव में एक घर के पीछे बड़ी मात्रा में देसी और विदेशी शराब बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष दीपक कुमार राय ने बताया कि गुप्त सूचना पर छापेमारी के दौरान



बैरिया गांव में अनुग्रह कुमार पिता रामचंद्र मेहता के घर के पीछे छुपा कर रखे 25.5 लीटर देसी टनाका शराब और 7.75 लीटर विदेशी शराब कुल 33.25 लीटर शराब बरामद किया गया है वही किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है थानाध्यक्ष ने कहा कि शराब को जब्त कर थाना लाया गया है और मामले में मद्यनिषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है

पटना में अपराधियों ने कोचिंग से घर लौट रहे दो छात्रों को किया अगवा, जांच में जुटी पुलिस

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के रानितलाब थाना अंतर्गत कनपा पुल के पास एक निजी कोचिंग से पढ़ाई कर लौट रहे दो छात्रों को मंगलवार की शाम अपराधियों ने अगवा कर लिया। जिसकी प्राथमिकी पीड़ितों के परिजनों ने रानितलाब थाने में दर्ज कराया है। वही पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार पटना जिले के रानीतलाब थाना क्षेत्र के लहलादपुर गांव निवासी शेखराम के 16 वर्षीय पुत्र राकेश कुमार और जितेंद्र राम के 15 वर्षीय पुत्र सुजीत कुमार बीते मंगलवार को एक साथ अपने घर से कनपा बाजार स्थित निजी कोचिंग सेंटर में पढ़ाई करने करने गया था। लेकिन देर शाम तक दोनों अपने घर नहीं लौटा। परिजनों ने दोनों मोबाइल फोन पर फोन कर संपर्क करने की कोशिश किया परंतु इस दौरान दोनों का मोबाइल बन्द बता रहा था। उसके बाद परिजनों ने दोनों को खोजबीन शुरू कर करते हुए इधर उधर काफी तलाश किया लेकिन कहीं कोई आता पता नहीं चल सका। इसी बीच आधी रात को करीब 1 बजकर 18 मिनट पर राकेश कुमार ने मौके देख अपने मोबाइल से अपने भाई सुकेश कुमार के मोबाइल पर फोन किया और अपने अपहरण की आशंका जताते हुए कहा कि मैं कहाँ हूँ मुझे नहीं पता, मुझे अंधेरे कमरे में बंद कर रखा गया है। इस संबंध में पुलिस कुछ भी स्पष्ट रूप से जानकारी देने में कठिन रही है। वही परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए थाने में मामले दर्ज कराए हैं।



सूचना पाकर रानीतलाब थाने की पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है। दोनों युवकों की मोबाइल की लोकेशन ट्रेस करते हुए इसकी खोजबीन करने में जुटी गई है। इस संबंध में पुलिस कुछ भी स्पष्ट रूप से जानकारी देने में कठिन रही है। वही परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए थाने में मामले दर्ज कराए हैं।

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मसौड़ी पालीगंज मुख्य मार्ग पर बुधवार सुबह एक बेलगाम बालू लदे हाइवा ट्रक ने एक के बाद एक कई लोगों को टक्कर मारकर घायल कर दिया। हादसे में कुल चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं, जबकि एक भैंस को मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साईं भीड़ ने ट्रक को घेरकर चालक की जमकर पिटाई कर दी और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह हालात पर काबू पाया और चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।



जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह पालीगंज की ओर से आ रहा तेज रफ्तार हाइवा जैसे ही दुल्हिन बाजार के पनसुहि गांव के पास पहुंचा, उसी दौरान एक महिला उसकी चपेट में आ गई और चुरी

तरह जख्मी हो गई। लेकिन चालक ने वाहन नहीं रोका और फरार होने की कोशिश करने लगा। भागते वक्त उसने एक साइकिल सवार को टक्कर मार दी। इसके बाद भी वाहन का रफ्तार कम नहीं हुआ और वह

लोगों को रौंदते हुए मसौड़ी की ओर भागा रहा। कुछ ही दूरी पर सोनकुपुर गांव के पास बेलगाम हाइवा ने एक भैंस को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद ट्रक ने दूध ले जा रहे एक बाइक सवार को भी टक्कर मारी, जिससे उसकी बाइक पूरी तरह टुक के नीचे चली गई। हालांकि, बाइक सवार व्यक्ति किसी तरह जान बचाने में सफल रहा। घटना के क्रम में मसौड़ी की ओर भागते हुए हाइवा ने एक अन्य बाइक सवार को भी टक्कर मारी। लगातार हो रही घटनाओं को देखकर स्थानीय लोग आक्रोशित हो उठे। सोनकुपुर में लोगों ने ट्रक को ईट-पत्थर मारकर

रोक लिया और चारों ओर से घेरकर चालक को वाहन से उतारकर पीटना शुरू कर दिया। सूचना पर मसौड़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को भीड़ से किसी तरह सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान गुस्साईं भीड़ ने ट्रक को क्षतिग्रस्त कर दिया और आग लगाने की भी कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए लोगों को शांत कराया और कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद स्थिति में नियंत्रण पाया जा सका। मसौड़ी थानाध्यक्ष ने बताया कि घायल लोगों का इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया जा रहा है। ट्रक को कब्जे में

लेकर थाने लाया गया है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि हाइवा में बालू लदा हुआ था और चालक वाहन को बेकाबू गति से चला रहा था। यह भी संभावना जताई जा रही है कि चालक नशे में था, जिसकी पुष्टि मेडिकल जांच के बाद की जाएगी। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत और गुस्से का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे बेलगाम और गैर-कानूनी तरीके से बालू ढोने वाले वाहनों पर रोक लगाई जाए, ताकि बिधियों में ऐसी घटनाएं न घटें। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और सभी घायल व्यक्तियों का इलाज जारी है।

पटना के मसौड़ी में शादी की नीयत से नाबालिग किशोरी की अपहरण

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मसौड़ी थाना क्षेत्र से एक बच्चा फिर नाबालिग किशोरी की अपहरण का मामला सामने आया है। घटना 20 मई की है, जब एक किशोरी को शादी की नीयत से बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया गया। इस मामले में पीड़िता के पिता के बयान पर मसौड़ी थाना में अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू पर गहनता से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार अगवा की गई नाबालिग ने 20 मई की सुबह अपने पिता से बताया कि वह अपनी मौसी के घर जा रही है। परिजन यह सोचकर निश्चित हो गए कि वह शाम तक लौट आएगी लेकिन देर शाम तक जब लड़की घर नहीं लौटी तो परिवार में चिंता का माहौल पैदा हो गया। परिजनों ने पहले अपनी तरफ से लड़की की तलाश शुरू की लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो अगले दिन मसौड़ी थाना में स्पष्ट रूप से कहा है कि उनकी पुत्री नाबालिग है और उसे शादी की नीयत से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर अगवा किया गया है। उन्होंने यह भी संदेह जताया है कि अपहरण के पीछे एक सुनियोजित साजिश हो सकती है। उन्होंने पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग की है ताकि उनकी पुत्री को सफुल बरामद किया जा सके। मसौड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस तकनीकी सहायता के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर पूछताछ और साक्ष्य संकलन में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि नाबालिग के अपहरण जैसे मामले को पुलिस अत्यंत गंभीरता से लेती है और जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने पीड़िता के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल्स रिकॉर्ड (सीडीआर) खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटना के दिन और उससे पहले किन-किन लोगों से उसकी बातचीत हुई थी। इसके अलावा, आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि किसी सुराग की पुष्टि की जा सके।

पटना/ भारतीय सेना द्वारा हाल ही में अंजाम दिए गए सफल ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर पूरे देश में गर्व और उत्साह का माहौल है। इसी कड़ी में पटना जिले के भाजपा मंडल दुल्हिन बाजार की ओर से बुधवार को एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारों और राष्ट्रगान की गूंज ने पूरे वातावरण को देशप्रेम से सराबोर कर दिया। इस यात्रा में हर वर्ग और हर समाज के लोग शामिल होकर देश की एकता और अखंडता का परिचय दिए। लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय, भारतीय सेना जिंदाबाद जैसे नारे लगाए। यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारों और राष्ट्रगान की गूंज ने पूरे वातावरण को देशप्रेम से सराबोर कर दिया। भाजपा तिरंगा यात्रा प्रभारी अविनाश उपाध्यक्ष ने कहा कि इस यात्रा के दौरान बाजार के गणमान्य लोग, नीजवान, फौज के रिटायर्ड अफसर, भाजपा कार्यकर्ता सब ने मिलकर इस यात्रा को सफल बनाया है। भारत रुकने, झुकने वाला नहीं है, ऑपरेशन सिंदूर जारी रहेगा।



उन्होंने कहा कि जिन आतंकियों ने भारत के निर्दोष नागरिकों की हत्या की है, उन्हें बर्खा नहीं जाएगा। पाकिस्तान के साथ-साथ दुनिया को भी समझ आ गया है कि भारत की वीर सेना की शक्ति क्या है। भारत की सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकियों को मारा है। इसके साथ ही, उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी का भी उल्लेख किया और कहा, हूसोफिया भारत की बेटी है, और हम उन्हें सलाम करते हैं। उनका साहस हर भारतीय के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि इस तिरंगा यात्रा ने न सिर्फ देशभक्ति का संदेश दिया, बल्कि युवाओं को देश के प्रति अपने कर्तव्यों और सेना के योगदान को समझने का भी अवसर दिया। इस यात्रा में भाजपा मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत कुमार, महामंत्री कुन्दन कुमार, अभिमन्यु कुशावहा, अजेश सिंह, श्री निवास सिंह, सुनील कुमार, राजू कुमार, निकेश कुमार, अखिलेश सिंह, सुर्व मोहन सिंह, चंद्र मोहन सिंह, अरुण कुमार आदि कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

